यूपी की आर्थिक सेहत दक्षिण भारत के राज्यों से बेहतर

उपलब्धि

■ अजित खरे

लखनऊ। वित्तीय व कर्ज प्रबंधन व खर्च की कसौटी पर यूपी की आर्थिक सेहत काफी बेहतर हो गई है। फिस्कल हेल्थ इंडेक्स में यूपी सातवें नंबर पर है और दक्षिण भारत के पांचों राज्यों आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक व केरल यूपी से पीछे हैं।

एक वक्त था कि यूपी बीमारू राज्य कहलाता था। अब यूपी आर्थिक तरक्की की राह पर है। नीति आयोग ने इसी महीने फिस्कल हेल्थ इंडेक्स रिपोर्ट जारी की है। इसमें ओडिसा नंबर एक पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपी की वित्तीय स्थिति बरकरार रखी है, लेकिन जीएसटी से बेहतर वसूली की जा सकती है। साथ ही राज्य को खनन व शिक्षा क्षेत्र पर विशेष ध्यान देना है। इसमें करेत्तर राजस्व की संभावनाएं काफी हैं। यूपी ने सोशल सेक्टर में खर्च को बढ़ाया है। साल 2018 से साल 2023 के बीच पूंजीगत खर्च 14.8 प्रतिशत से बढ़कर 19.3 प्रतिशत हो गया। स्वास्थ्य सेवाओं, जलापूर्ति, सफाई व आवास, खाद्यान्न भंडारण, वेयरहाउस व ग्राम विकास पर यूपी का खर्च अपेक्षाकृत बढ़ा है। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण पर खर्च वर्ष 2018-19 में 4.9 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2022-23 में 6.5 प्रतिशत हो गया।

इस फिस्कल हेल्थ इंडेक्स के हिसाब से यूपी फ्रंट रनर श्रेणी वाले राज्यों में हैं। इनमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश व कर्नाटक हैं जबकि परफार्मर वाले राज्यों में तमिलनाडु, राजस्थान, बिहार व हरियाणा है। ओडिसा, छत्तीसगढ़, गोवा, झारखंड व गुजरात अचीवर राज्य की श्रेणी में है। रिपोर्ट में बताया गया कि राजकोषीय घाटा राज्य सकल घरेलू उत्पाद का पहले 2.8 प्रतिशत था, अब यह घटकर 2.2 प्रतिशत हो गया है। गोवा नंबर दो पर है।

हरियाणा 14 वें नंबर पर, केरल 15 वें नंबर पर व पश्चिम बंगाल 16 वें नंबर पर है जबकि आंध्र प्रदेश 17 नंबर पर है।

राजस्व हेल्थ इंडेक्स

राज्य	रैंक	खर्च गुणवत्ता	राजस्व संग्रह	वित्तीय विवेकपूर्ण	कर्ज सूचकांक
ओडिसा	01	05.0	69.9	54.0	99.0
छत्तीसगढ़	02	55.1	56.5	56.0	79.6
झारखंड	04	47.3	45.7	62.4	66.9
गुजरात	05	40.0	48.7	52.7	69.0
महाराष्ट्र	06	37.1	59.1	41.8	76.4
उत्तर प्रदेश	07	45.8	34.6	44.7	59.9
तेलंगाना	08	36.9	75.2	40.8	53.3
कर्नाटक	10	47.4	43.9	43.9	62.2
तमिलनाडु	11	32.0	41.2	25.8	36.0
बिहार	13	56.1	05.3	11.5	47.2